B.A. Part-I Honours Paper-II

इंगलैण्ड का इतिहास

(071-294) WK 11
12 FRIDAY • MARCH • 2021

FEBRUARY 2021

S	M	T	W	T	F	S
	1	2	3	4	5	6
7	8	9	10	11	12	13
14	15	16	17	18	19	20
21	22	23	24	25	26	27
28						

Q. → ब्रिटिश गृह-युद्ध के कारणों एवं परिणामों की विवेचना करें।

Ans → ब्रिटेश गृह युद्ध के निम्नलिखित तात्कालिक कारण थे :-

1. 14 वाँ लुई अपनी शक्ति के घमंड से चूड होकर नीदरलैण्ड में हुआ था। उसने सभी उच्च सैनिकों को मारकर खदेड दिया। इन सभी डच-सैनिकों के स्थान पर फ्रांस के सैनिकों को रख लिया। उसके इस कार्य को कम से कम इंगलैण्ड तो नहीं सहन कर सकता था।

2. फिर लुई ने डच और इंगलैण्ड के व्यापारी को स्पेन के उपनिवेश अमेरिका से व्यापार करने से रोक दिया। जिससे इंगलैण्ड को काफी क्षति हुई थी। इंगलैण्ड भी अपनी इस बेइज्जती का बदला फ्रांस लेने को तैयार हो गया।

3. शीघ्र ही लुई 14 वाँ ने रिसविक की संधि को तोड़कर जेम्स तृतीय को इंगलैण्ड का राजा घोषित कर दिया। उसके इस कार्य से इंगलैण्ड फ्रांस से काफी बिगड़ गया।

4. फ्रांस के नीदरलैण्ड को अपने अधिकार में कर लिया। यह बात तो मामूली थी परन्तु इससे इंगलैण्ड की आजादी संकट में पड़ गयी जिससे इंगलैण्ड का भी कान खड़ा हो गया। वास्तव में फ्रांस के सब कार्य इंगलैण्ड के बर्दाश्त से बाहर की बात थी। एक तरह से फ्रांस ने इंगलैण्ड को युद्ध के लिए ललकार ही दिया। अन्त में विलियम तृतीय इंगलैण्ड से जा मिला और सन् 1702 ई० फ्रांस से लड़ने के लिए तैयार हो गया और वह युद्ध की तैयारी करने लगा।

5. अनेक राष्ट्रों की एक महान संधि (Grand Alliance) इंगलैण्ड युद्ध को अवश्यम्भावी देखकर अपने दल को मजबूत करने लगा। उसने

Scanned with CamScanner

शीघ्र ही, जर्मन के कई राष्ट्रों को अपने पक्ष में मिला लिया। हॉलैण्ड, इंगलैण्ड, आस्ट्रिया पुर्तगाल और सेवॉआय आदि राष्ट्र आपस में बैर-भाव को मिटाकर संगठित हो गये। इन सबों ने मिलाकर एक संधि की जो इंगलैण्ड के इतिहास में Battle of Roses के नाम से प्रसिद्ध है। इन सभी मित्र राष्ट्रों की सेना का सेनापति चर्चिल और मार्लबरो को बनाया गया। जिन्होंने अपने सैनिकों को इस युद्ध में उत्तम ढंग से संचालित किया।

ब्रिटिश सिविल वार के प्रभाव

1. गृह-युद्ध की व्यापकता → गृह-युद्ध की व्यापक अग्नि की लपेटों को दस वर्षों तक कोई नियंत्रित नहीं कर सका। इंगलैण्ड, स्काटलैण्ड और आयरलैंड इन तीनों जगहों में गृहयुद्ध की अग्नि धधक रही थी। सबसे बड़ी विचित्र बात तो यह थी कि इन तीनों जगहों में गृहयुद्ध की अग्नि की लहर भिन्न-भिन्न थी। इस तरह से गृह-युद्ध अंग्रेजी द्वीप समूह के हर एक भाग में फैल गया था। जिससे पूरा अंग्रेज-द्वीप समूह झुलस रहा था।

2. भिन्न-भिन्न जगहों के भिन्न-भिन्न उद्देश्य → अंग्रेजी द्वीप समूह के तीन जगहों इंगलैण्ड, स्काटलैण्ड और आयरलैण्ड में गृह युद्ध चल रहा था। इन तीनों जगहों में युद्ध के अलग-अलग उद्देश्य थे। इंगलैण्ड में राजनीतिक और धार्मिक प्रश्नों के उद्देश्य से युद्ध चल रहा था। स्काटलैण्ड में युद्ध का कारण था - प्रेस-बिटेरियन धर्म को राजधर्म बनाना। आयरलैण्ड में अंग्रेजों और प्रोटेस्टेंटों के कड़े नियंत्रण से आजाद होने के उद्देश्य से गृह-युद्ध चलाया जा रहा था।

3. गृह-युद्ध के समय इंगलैण्ड दो भागों में विभक्त था → गृह-युद्ध के फैल जाने पर इंगलैण्ड भौगोलिक दृष्टिकोण से दो भागों में बँट गया।

Scanned with CamScanner

डेम्बर से साउथम्पन तक एक रेखा खींच देने से दोनों दलों के क्षेत्रों का बंटवारा हो गया था। रेखा के पश्चिम और उत्तर जिसमें अधिकतर गरीब लोग ही थे राजा का क्षेत्र था और रेखा के पूरब और दक्षिण जो धनी लोगों का इलाका था वह पार्लियामेंट का क्षेत्र था। इस तरह से राजा के पक्ष से अधिक शक्तिशाली पार्लियामेन्ट का ही पक्ष था।

4. दोनों दलों की सेनाएँ → युद्ध के समय तक इंगलैण्ड सैनिक मामलों में एक पिछड़ा हुआ देश समझा जाता था। वहाँ की सरकार सेना की तरक्की पर विशेष ध्यान दे रही थी। जिसके फलस्वरूप वहाँ की सेना अशिक्षित और अनुभवहीन थी। यह कमी दोनों पक्षों की सेनाओं में थी। दोनों पक्षों में भाड़े पर लाये गये सैनिकों की भरमार थी। 1645 ई० तक तो पार्लियामेन्ट की सेना में कोई सुधार नहीं हो सका था। लेकिन उसी साल क्रामवेल ने पार्लियामेन्ट की सेना में कोई सुधार नहीं हो सका था। लेकिन उसी साल क्रामवेल ने पार्लियामेंट की सेना में क्रांतिकारी सुधार ला दिये। फिर भी सैनिक दृष्टि से पार्लियामेंट ही राजा से अधिक शक्तिशाली थी क्योंकि पार्लियामेन्ट की सेना में पैदल सैनिकों की संख्या अधिक थी। इतना ही नहीं समुद्री सेना पर भी पार्लियामेन्ट का ही एकमात्र अधिकार था। फिर पार्लियामेन्ट का क्रामवेल जैसा योग्य सेनापति भी था। राजा के तरफ अश्व-सेना

की बहुलता थी। इसलिए राजा के पक्षवाले कैविलियर कहलाये। पार्लियामेंट के पक्षवाले राउन्डहेड्स कहलाये। क्योंकि इस पक्ष में प्युरिटन लोग अधिक थे जो अपने माथे के केश मुराये रखते थे।

5. कष्ट, खून-खराबी और कटुता की कमी → इस गृह युद्ध की सबसे बड़ी विशेषता यह थी कि इसमें खून-खराबी और हत्या का अभाव था। इसके पहले इंगलैण्ड में कई बार गृह युद्ध हुए थे। जिसमें असंख्य लोगों की जान-माल की क्षति हुई थी। Battle of Roses इसका ज्वलंत उदाहरण है।

6. एजहिल का युद्ध → पूरी तैयारी के पश्चात दोनों दलों की मुठभेड़ एजहिल में हुई। पार्लियामेन्ट की सेना का पड़ाव लंदन में था। एजहिल के लड़ाई कई दिनों तक चलती रही, लंदन की ओर से बड़ी तेजी के साथ बढ़ता जा रहा था। लेकिन कई हजार व्यक्ति ने उसकी राह को रोक लिया जिसके फलस्वरूप वह लंदन नहीं पहुँच सका। विवश हो वह ऑक्सफोर्ड के मार्ग से आगे बढ़कर आक्सफोर्ड को हस्तगत कर वहीं पर अपनी छावनी डाल दी। उसने लंदन को अधिकृत करने का प्रयत्न छोड़ दिया। यह उसकी सबसे बड़ी भूल थी क्योंकि इसके बाद लंदन के इतना अधिक निकट वह कभी नहीं पहुँच सका।

7. 1643 ई० में न्यूबरी का युद्ध → न्यूबरी के प्रसिद्ध ऐतिहासिक युद्ध के समय पार्लियामेंट के पक्ष वालों की दशा बहुत ही चिन्ताजनक हो गयी थी। प्रायः प्रत्येक जगह पर उसकी पराजय हो पराजय हो रही थी।

D. Jha, S.R.A.P. College

Scanned with CamScanner